CCE PF
CCE PR

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE – 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಮಾರ್ಚ್ / ಏಪ್ರಿಲ್, 2017

S. S. L. C. EXAMINATION, MARCH / APRIL, 2017

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 30. 03. 2017] ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 30. 03. 2017] **CODE NO. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಹೊಸ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ / New Syllabus)

(ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ + ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಖಾಸಗಿ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Private Fresh + Private Repeater)

[ಗರಿಷ್ಠ ಅಂಕಗಳು : 125

[Max. Marks : 125

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग - "A" **गद्य, पद्य, पोषक अध्ययन (92 अंक)**	
I.	**एक-एक** वाक्य में उत्तर :	16 × 1 = 16
1.	पुरुषोत्तम की पत्नी अहिल्या थी ।	1
2.	भ्रष्टाचार, सदाचार मनुष्य की आत्मा में होता है ।	1
3.	महात्मा गाँधीजी ने साबरमती नदी के किनारे सत्याग्रह आश्रम की नींव रखी ।	1
4.	लोटा पाँच सौ रुपयों में बिका ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
5.	मैसूरु राज्य 1 नवंबर सन् 1973 ई० से 'कर्नाटक राज्य' कहलाने लगा ।	1
6.	केवट श्रीराम के पिता दशरथजी की सौगन्ध लेता है ।	1
7.	मीरा अपने आपको श्रीकृष्ण की दासी मानती है ।	1
8.	अनदेखे अरूप ने कवि अज्ञेयजी से 'प्यार' उधार माँगा ।	1
9.	बड़े भाई साहब एक साल का काम दो सालों में करते थे ।	1
10.	पहेली यह थी कि स्त्री के साथ जो नौजवान है वह उसका क्या लगता है / कौन लगता है ।	1
11.	विज्ञान का युग कहकर सम्बोधित किया जाता है ।	1
12.	शिवाजी ने संभाजी को पुरुषोत्तम के पास छोड़ा था ।	1
13.	आलूर वेंकटराव, कर्नाटक कुल पुरोहित के नाम से प्रसिद्ध हैं ।	1
14.	मीठे वचन से क्रोध शान्त हो जाता है ।	1
15.	नाव के स्त्री में बदल जाने से केवट लुट जाएगा / उसकी रोज़ी मारी जाएगी ।	1
16.	पेड़ की शाखा के सहारे खड़े रहकर कृष्ण बाँसुरी बजाते थे ।	1
II.	**दो-तीन** वाक्यों में उत्तर :	16 × 2 = 32
17.	रुपया लड़कों के लिए लड़कपन का खिलौना है, मिठाई है । वह बुढ़ौती की लकड़ी बनकर बूढ़ों का सहारा बन सकता है ।	2
18.	महात्मा गाँधीजी का वास्तविक नाम मोहनदास करमचन्द गाँधी था । उनके पिता राजकोट के दीवान थे । माता-पिता धर्मभीरु थे । उनके आचार-विचारों का प्रभाव गाँधीजी पर भी पड़ा । वे बचपन से ही सत्य के पुजारी थे ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
19.	पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि बच्चों की बुनियादी आवश्यकताएँ हैं । अर्थात् जीने का अधिकार, विकास का अधिकार, सुरक्षा का अधिकार, सहभागिता का अधिकार ।	2
20.	यदि पुरुष में नारी के गुण आ जाते हैं तो वह देवता बन जाता है । भारतीय नारी अनेक रूपों में महान है । उसकी सहनशीलता, त्याग तथा बलिदान अवर्णनीय है ।	2
21.	स्वच्छ शिला पर धनुर्धर लक्ष्मण बैठा है क्योंकि पर्णकुटी की सदा रक्षा करना ही उसका कर्तव्य है ।	2
22.	जग का निर्माण नई उमंगों से, नए प्राणों के संचार से और दूसरों पर दोष न थोपकर, सब मिल-जुलकर निःस्वार्थ भाव से, स्वावलंबन से करें ।	2
23.	पिछड़ा आदमी अलग बैठा टूँगता रहता था । देश की आजादी के लिए गोली झेलने में सबसे आगे रहा और मारा गया ।	2
24.	टाइम टेबल जानलेवा था । उससे मैदान की सुखद हरियाली, हवा के हलके-हलके झोंके, फुटबॉल की उछल-कूद, कबड्डी के दाव-घात, वॉलीबॉल की तेज़ी और फुरती सब गायब हो गया था ।	2
25.	विज्ञान ने मनुष्य की सुन्दर कल्पना को इस पृथ्वी लोक पर ही साकार करना आरंभ कर दिया है । मनोरंजन, शिक्षा, यातायात, उद्योग-धंधे, दूरसंचार आदि की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ, पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना आदि स्थान और समय की दूरी को कम करके मानव ने प्रकृति पर विजय प्राप्त कर ली है । इसलिए विज्ञान मानव के लिए वरदान है ।	2
26.	साधु को तावीज़ बनाने का ठेका दिया गया । उसके लिए उनको पाँच करोड़ रुपये कारखाना खोलने के लिए पेशगी दी गई । इस तरह तावीज़ कारखाने में बनने लगे ।	2
27.	वीरमगाम में जकात के सम्बन्ध में जनता बड़ी दुःखी थी । महात्मा गाँधीजी ने उनका दुःख वायसराय के सामने रखा । वायसराय ने उनकी शिकायतों पर उचित ध्यान दिया । इससे कठियावाड़ तथा भारत की जनता महात्मा गाँधीजी की ओर आकृष्ट हुई ।	2
28.	शहर और गाँवों में बच्चों को शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक आदि कई प्रकार के शोषण का शिकार होना पड़ता है । उनको कच्ची उम्र में खतरनाक कार्यों में लगाया जाता है । स्कूल जाने के अवसर नहीं दिए जाते हैं । वयस्क व्यक्ति अपने अहं एवं मनोवैज्ञानिक कारणों से भी बच्चों के प्रति क्रूर होकर उनके जीने का मूलाधिकार छीन लेते हैं ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
29.	लेखक के पास अक्सर कई लोग आते, इससे लेखक को कोई एतराज नहीं था पर अपनी बात कहने से पहले वे लोग जो बेकार की बातों में उनका, काम का समय खराब करते हैं, उस पर उनको दुःख होता है और कभी-कभी रूखा भी हो जाना पड़ता था ।	2
30.	जब पूरी अवनी और अम्बरतल में स्वच्छ चाँदनी बिछती है तब उससे प्रभावित होकर धरती हरित तृणों की नोंकों से अपना पुलक प्रकट करतो है ।	2
31.	मानव सड़े-गले समाज का, गलित कुष्ठ का, सड़न के कीटाणु का, सड़े हृदय और मस्तिष्क का, मन पर अंकित व्रण का, सामाजिक चौखट का, सदियों के आडम्बर आदि का शिकार बना है ।	2
32.	जब सब बोलते थे तब पिछड़ा आदमी चुप रहता था । जब सब चलने लगते तो वह पीछे रह जाता था ।	2
III.	संदर्भ सहित व्याख्या :	6 × 3 = 18
33.	i) सच्चा धर्म	$\frac{1}{2}$
	ii) सेठ गोविंद दास	$\frac{1}{2}$
	iii) जब दिलावर खाँ पुरुषोत्तम को भी बिछावन पर बैठने को कहता है तो पुरुषोत्तम इनकार करते हुए उससे यह बात कहते हैं । पुरुषोत्तम की परीक्षा लेते समय दिलावर खाँ को अपने ब्राह्मण धर्म के आचार-विचारों का परिचय देते समय यह घटना घटती है ।	2
34.	i) रुपया बोलता है	$\frac{1}{2}$
	ii) पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'	$\frac{1}{2}$
	iii) लेखक रुपये के वोभत्स रूप का वर्णन करते हुए बताते हैं कि मानव रुपये का गुलाम बन चुका है । वह जब तक मानव के अधीन रहता है तब तक उसका सदुपयोग होता रहेगा पर जब रुपया बोलने लगेगा तो अचातुर्य होने लगता है । वह धीरे-धीरे सबको अपने वश में करने लगता है । मानव के लिए वही सब कुछ बनता जा रहा है । वही ईश्वर है, धर्म है, सहारा है । इसमें रुपये के विराट रूप का वर्णन हुआ है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
35.	i) मीराबाई	$\frac{1}{2}$
	ii) मीरा के पद	$\frac{1}{2}$
	iii) मीरा कृष्ण भक्ति में पागल होती गई । कृष्ण ही उसका सर्वस्व बनता जा रहा था । उसका दर्द कोई समझ नहीं सकता था । सब उसे नुकसान पहुँचाने में लगे रहे । जिस प्रकार किसी घायल की पीड़ा सिर्फ कोई घायल ही जान सकता है, जौहरी की गति सिर्फ़ जौहरी ही बता सकता है ठीक उसी प्रकार जब श्रीकृष्ण वैद्य बनकर आएगा तभी मीरा का दर्द मिटेगा । इससे मीरा के उत्कट प्रेम और भक्ति का परिचय प्राप्त होता है ।	2
36.	i) डॉ० इकबाल	$\frac{1}{2}$
	ii) सारे जहाँ से अच्छा	$\frac{1}{2}$
	iii) कवि ने इन पंक्तियों में भारत देश का बखान किया है । यह देश बड़ा ही अनोखा है । स्वर्ग भी ईष्या करे, ऐसा प्राकृतिक सौन्दर्य यहाँ का है । यह देश कई कारणों से संसार भर में प्रसिद्ध है । यहाँ के पहाड़, नदियाँ, हरियाली, आचार-विचार, संस्कृति आदि बहुत ही अनमोल है । भिन्न धर्म, जातियाँ, भाषाएँ आदि होने के बावजूद भी इस जमीन में एकता है । भारत देश का गुणगान ही इस कविता का मुख्य उद्देश्य है ।	2
37.	i) नारी	$\frac{1}{2}$
	ii) मनु ऋषि ने, अपनी मनस्मृति में लिखी इस बात को, पाठकों से कहा है ।	$\frac{1}{2}$
	iii) भारतीय समाज में नारी का स्थान बहुत ही ऊँचा है । देश की प्रगति में वह पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर कार्य निभा रही है । परिवार और समाज में उसके अस्तित्व का परिचय देते हुए मनु ऋषि यह बताते हैं कि जहाँ स्त्रियों की पूजा होती है, वहाँ देवताओं का वास होता है । जहाँ उनकी पूजा नहीं होती, वहाँ सभो क्रियायें निष्फल होती हैं । अगर नारी सन्तुष्ट रही तो सारा परिवार सन्तुष्ट रह सकता है ।	2
38.	i) सवेरे उठा तो धूप खिली थी ।	$\frac{1}{2}$
	ii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।	$\frac{1}{2}$
	iii) जब कवि ने धूप, चिड़िया, घास, शंखपुष्पी, हवा, लहर, आकाश – इन सबसे उनके अपूर्व गुणों को उधार लिया तो वे उन गुणों के धनी बनें । जब सपने में एक अनदेखे अरूप ने कवि से थोड़ा सा प्यार उधार माँगा और कहा कि वह उस प्यार को सौ गुने सूद के साथ लौटाएगा तो कवि एकदम घबरा गए । ऐसा व्यवहार उनके अनुभव से परे था । इसलिए बिना जाने ही उस अनदेखे याचक को कुछ देने से डरने लगे ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
IV.	लेखक / कवि परिचय :	2 × 3 = 6
39.	हरिशंकर परसाई	
	i) सन् 1924 ई०	$\frac{1}{2}$
	ii) भोलाराम का जीव, चावल से हीरों तक, कचरे में, एक बेकार घाव, सड़क बन रही है, पोस्टरी एकता, भाइयों और बहनों, निठल्ले की डायरी, एक फरिश्ते की कथा ।	$\frac{1}{2}$
	iii) परसाई जी व्यंग्य रचना के शिखर पुरुष हैं । व्यंग्य ही उनकी लेखन कला का प्राण है । सभी क्षेत्रों की विसंगतियों के प्रति प्रतिश्रुति ही उनकी कहानियों का आधार है ।	2
40.	तुलसीदास	
	i) इनका जन्म सोरों में संवत 1580 को माना जाता है ।	$\frac{1}{2}$
	ii) रामचरितमानस, विनय पत्रिका, गीतावली, कवितावली, दोहावली, कृष्ण गीतावली, जानकी मंगल, पार्वती मंगल, बरवै रामायण, राम लला नहछू, वैराग्य संदीपनी आदि ।	1
	iii) जन्म के समय तुलसीदास रोये नहीं बल्कि मुख से 'राम' शब्द निकला । राम ही इनका आराध्य देव थे । संस्कृत के प्रकाण्ड पंडित थे । लोक मंगल ही उनके जीवन का सिद्धान्त था । ब्रज और अवधि दोनों भाषाओं पर समान अधिकार था । रामचरितमानस इनकी सर्वश्रेष्ठ रचना है । काशी के असीघाट पर संवत 1680 ई० में देहावसान ।	$1\frac{1}{2}$
V.	पद्य भाग की पूर्ति :	1 × 4 = 4
41.	आसरा मत ऊपर का देख,	1
	सहारा मत नीचे का माँग	1
	यही क्या कम तुझको वरदान	1
	कि तेरे अन्तस्तल में राग ।	1
	अथवा	
	राग से बाँधे चल आकाश,	1
	राग से बाँधे चल पाताल,	1
	धंसा चल अंधकार को भेद	1
	राग से साधे अपनी चाल ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VI.	पद्य भाग का सारांश :	1 × 4 = 4
42.	इस दोहे के रचनाकार हैं रहीम । पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना । वे सज्जनों के स्वभाव का परिचय देते हुए कहते हैं कि लाख कोशिश करने पर भी उत्तम स्वभाववाले यानी सज्जन बुरी संगत के शिकार नहीं होते हैं । अर्थात् बुरी संगति उनका कुछ बिगाड़ नहीं सकती । जिस प्रकार साँप का विष चन्दन के पेड़ पर अपना बुरा असर नहीं डाल सकता ठीक उसी प्रकार कुसंगति का असर सज्जन पर नहीं पड़ता ।	1 2 1 — 4
	अथवा	
	इसके रचनाकार कवि सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' हैं । कविता — सवेरे उठा तो धूप खिली थी । कवि जब सुबह उठते ह तो प्रकृति के सुहावने दृश्य देखकर आनन्द विभोर होते हैं । वे सोचते हैं, ऐसा ही सौन्दर्य मानव जीवन में भी होता तो कितना सुन्दर होता । इसलिए वे सबसे कुछ न कुछ उधार माँगने लगते हैं । सबने उनकी माँग पूरी की । इसी प्रकार व जीवन व्यतीत करते रहे । उनके अनुसार यही तो जीवन है ।	1 2 1 — 4
VII.	**छः-सात** वाक्यों में उत्तर :	2 × 4 = 8
43.	महल में दो कबूतर थे । उनमें से एक को नूरजहाँ ने उड़ा दिया था । जहाँगीर के पूछने पर कि उसके एक कबूतर को उसने कैसे उड़ जाने दिया ? नूरजहाँ ने उसके दूसरे कबूतर को भी उड़ाकर बताया कि ऐसे । उसके भोलेपन पर जहाँगीर सौ जान से निछावर हो गया । उसी क्षण से उसने अपने को नूरजहाँ के हाथ बय कर दिया । कबूतर का एहसान वह भूल नहीं सका । उसके एक अण्डे को बड़े जतन से रख छोड़ा । एक बिल्लोर की हाण्डी में वह उसके सामने सदा टँगा रहता था । बाद में वही अण्डा जहाँगीरी अण्डे के नाम से प्रसिद्ध हुआ । उसी को मेजर डगलस ने पारसाल दिल्ली में एक मुसलमान सज्जन से तीन सौ रुपयों में खरीदा ।	4
	अथवा	
	ग्यारह सालों तक दक्षिण अफ्रीका में रहने के बाद गाँधीजी भारत लौट आए । आते ही गोखले जी की सलाह मानकर भारत का भ्रमण आरंभ कर दिया । वर्ष भर देश का दौरा करने के बाद गाँधीजी देश के कुछ दुःखी किसानों की पुकार से उनकी मदद करने बिहार के चम्पारन आए । शिकायत यह थी कि वहाँ के अंग्रेज़ जमीन्दार किसानों पर बड़ा अत्याचार करते हैं । गाँधीजी ने जाँच की और शिकायतें सरकार के सामने रखीं । पहले तो सरकार ने ध्यान नहीं दिया । पर जब सत्याग्रहियों के जत्थे जेलों में भरने लगे तो सरकार को गाँधीजी के सुझाव मानने पड़े । इस प्रकार गाँधीजी ने अपने अहिंसात्मक तरीके से चम्पारन के किसानों की समस्या का समाधान ढूढ़ लिया ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
44.	परीक्षाएँ समाप्त करके वेंकटराव को आलूर में अपनी छुट्टियाँ बिताते समय एक दिन अपने घर के कुल-पुरोहित के साथ 'नववृन्दावन' जाने का अवसर मिला । वहाँ तुंग-भद्रा के प्रशान्त तट पर व्यासराय और अन्य माध्व यतियों की समाधियों का दर्शन, हम्पी उत्खनन के बारे में जानकारी प्राप्त करना, समझ में आना कि विजयनगर की राजधानी हम्पी थी, दूसरे दिन खुद नदी पार करके वेंकटराव विरुपाक्ष मंदिर गए । ऐसा लगा कि पंपानाथ तथा पंपांबिका की मूर्तियाँ प्रसन्नता से उन्हें देख रही हैं । बगल में जो भुवनेश्वरी के मंदिर की मूर्ति थी, उसे देखकर ऐसा लगा जैसे उसमें प्राणों का संचार हुआ हो । यह एक अभूतपूर्व दर्शन था । इस यात्रा से वे बहुत पुलकित हुए और उनके जीवन में नया मोड़ आया ।	4
	अथवा	
	देश तथा राष्ट्र की इकाई मानव समाज है और समाज की इकाई परिवार । परिवार की रीढ़ की हड्डी नारी ही है । अतः नारी के विकास तथा उत्थान में ही देश का उत्थान छुपा है । मनुष्य के जीवन का निर्माण नारी के द्वारा ही होता है । आज के वैज्ञानिक युग में नारी को पुरुष के कंधे से कंधा मिलाकर चलना है । उसे शिक्षित करना ज़रूरी है । आज की नारी अध्यापन, व्यवसाय, कारखाने, पुलिस, सेना, चिकित्सा, राजपत्रित सेवा, न्याय आदि क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कार्य कर रही है । राजनीति के क्षेत्र में भी वह काफी प्रगति कर रही है । जैसे कई महिलाएँ अपनी कार्य कुशलता से संसद और उसके बाहर भी अपने व्यक्तित्व की आभा से देश की प्रगति में बराबर का हिस्सा ले रही हैं ।	4
VIII.	**छः-सात** वाक्यों में उत्तर :	
45.	जब श्रीकृष्ण माखन चुराते पकड़े गए तो वे कहते हैं कि उन्होंने माखन नहीं खाया । सुबह से गायों को चराने वन चले गए थे । चारों पहर बसी बजाते रहे । शाम को घर लौट आए हैं । सबसे छोटा होने के कारण छीके पर रखे माखन के घड़े तक वे पहुँच नहीं सकते । शरारत करने की इच्छा से मित्रों ने मुँह पर माखन लगा दिया है । माता यशोदा बहुत भोली है । दूसरों की बातों पर जल्दो विश्वास कर लेती है । सिर्फ कृष्ण को ही मारतो रहती है उन मित्रों को कुछ नहीं कहती । इस पद्य से कवि सूरदास कृष्ण के भोलेपन, नादानगी, वाक्चातुर्य आदि का परिचय देते हैं ।	4

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग - "B"	
	व्याकरण, अलंकार, छन्द (20 अंक)	
IX.	सही उत्तर चुनना :	10 × 1 = 10
46.	(C) जनक	1
47.	(A) विफल	1
48.	(D) टोकरियाँ	1
49.	(B) गला	1
50.	(B) सुन्दरता	1
51.	(A) उपसर्ग	1
52.	(D) गुण संधि	1
53.	(C) क्रिया विशेषण	1
54.	(B) कि	1
55.	(A) चलाना	1
X.	तीसरे पद से संबंधित पद :	4 × 1 = 4
56.	द्विगु समास	1
57.	कर्ता कारक चिह्न ।	1
58.	संज्ञा / व्यक्तिवाचक संज्ञा ।	1
59.	वर्तमान काल / था – भूतकाल ।	1
XI.	छन्द पहचानिए :	3
60.	। ।। ऽ । । । ऽ । ऽ ऽ ऽ । । ऽ । तनिक सीत जल सो मिटै, जैसे दूध उफान। 13 11 = 24	$1\frac{1}{2}$
	यह दोहा छन्द का उदाहरण है । इसके प्रथम चरण में 13 मात्राएँ और दूसरे चरण में 11 मात्राएँ हैं । कुल मिलाकर 24 मात्राएँ हैं । इस कारण यह मात्रिक छन्द है ।	$1\frac{1}{2}$
XII.	अलंकार पहचानिए :	3
61.	मनि मुन्दरी मन मुदित उतारी ।	$1\frac{1}{2}$
	इसमें 'म' अक्षर की आवृत्ति प्रथम अक्षर के रूप में चार बार, 'न' अक्षर की आवृत्ति दूसरे अक्षर के रूप में दो बार और 'र' अक्षर की आवृत्ति अन्तिम अक्षर के रूप में दो बार हुई है । इसलिए यहाँ अनुप्रास अलंकार है ।	$1\frac{1}{2}$

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग – "C" **रचना (13 अंक)** **(वाक्य, पत्र लेखन, निबंध)**	
XIII.	अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग :	$2 \times 1\frac{1}{2} = 3$
62.	a. हाथ बँटाना :	$\frac{1}{2}$
	अर्थ : मदद करना, सहायता करना ।	
	बच्चों को घरेलू कामों में बड़ों का हाथ बँटाना चाहिए ।	1
	b. तिलांजली देना :	
	अर्थ : त्याग देना, छोड़ देना ।	$\frac{1}{2}$
	हम सबको बुरी आदतों की तिलांजली देनी चाहिए ।	1
XIV.	पत्र लेखन :	$1 \times 5 = 5$
63.	पिताजी के नाम पत्र :	
	स्थान : $\frac{1}{2}$	
	दिनांक : $\frac{1}{2}$	
	संबोधन : $\frac{1}{2}$	
	कलेवर (Body of the letter) 2	
	सेवा में $\frac{1}{2}$ समापन : $\frac{1}{2}$	
	हस्ताक्षर : $\frac{1}{2}$	5
	अथवा	
	छुट्टी पत्र :	
	स्थान : } $\frac{1}{2}$ दिनांक : }	
	प्रेषक : $\frac{1}{2}$	
	सेवा में : $\frac{1}{2}$	
	संबोधन : $\frac{1}{2}$	
	विषय : $\frac{1}{2}$	
	कलेवर (Body of the letter) $1\frac{1}{2}$	
	समापन : $\frac{1}{2}$	
	अभिभावक के हस्ताक्षर : हस्ताक्षर : $\frac{1}{2}$	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
XV.	निबंध लेखन :	1 × 5 = 5
64.	(i) प्रस्तावना $\frac{1}{2}$	
	(ii) विषय प्रवेश 1	
	(iii) विषय विस्तार 3	
	(iv) समापन । $\frac{1}{2}$	